

दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

प्रश्न-पत्र II / Paper II

निर्धारित समय : तीन घंटे

Time Allowed : **Three Hours**

अधिकतम अंक : **250**

Maximum Marks : **250**

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हुए हैं ।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet must be clearly struck off.

खण्ड A
SECTION A

Q1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each :

10×5=50

- (a) आर. नोज़िक द्वारा प्रतिपादित न्याय के वितरणात्मक सिद्धान्त की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए ।
Discuss critically the distributive theory of justice as propounded by R. Nozick. 10
- (b) रूसो किस प्रकार प्राकृतिक एवं कृत्रिम असमानता में भेद करते हैं ? व्याख्या कीजिए ।
How does Rousseau distinguish between natural and artificial inequality ? Explain. 10
- (c) क्या ऑस्टिन का संप्रभुता का सिद्धान्त प्रजातंत्र के साथ संगत है ? विवेचना कीजिए ।
Is Austin's theory of sovereignty compatible with democracy ? Discuss. 10
- (d) क्या राजतंत्र, शासन की एक व्यवस्था के रूप में वैयक्तिक स्वतंत्रता के लिए स्थान प्रदान करता है ? व्याख्या कीजिए ।
Does monarchy as a form of government leave room for individual freedom ? Explain. 10
- (e) भूमि एवं सम्पत्ति के अधिकार किस प्रकार महिला सशक्तिकरण में प्रभावी हो सकते हैं ? व्याख्या कीजिए ।
How far can land and property rights be effective in empowerment of women ? Explain. 10

Q2. (a) क्या अमर्त्य सेन की न्याय की अवधारणा रॉल्स के न्याय के सिद्धान्त का एक परिष्कृत रूप है ? विवेचना कीजिए ।

Discuss whether Amartya Sen's idea of justice is an improvement upon Rawl's theory of justice. 20

(b) दण्ड के सुधारात्मक सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए और विवेचना कीजिए कि क्या यह मानवीय गरिमा के साथ सुसंगत है ।

Explain the reformatory theory of punishment and discuss whether this is in tune with human dignity. 15

(c) क्या मानववाद धर्म का स्थानापन्न हो सकता है ? वर्तमान भारतीय समाज के प्रसंग में इसकी व्याख्या एवं मूल्यांकन कीजिए ।

Can humanism be a substitute for religion ? Explain and evaluate in the context of the present Indian society. 15

- Q3.** (a) एक राजनीतिक विचारधारा के रूप में अराजकतावाद की विवेचना कीजिए । क्या इससे राजनीतिक सत्ता का पूर्णतः निराकरण सम्भव है ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए ।
Discuss anarchism as a political ideology. Is it possible to dispense with political authority completely ? Give reasons for your answer. 20
- (b) गाँधी के समाजवाद की मुख्य विशेषताओं और इसकी समकालीन प्रासंगिकता की विवेचना कीजिए ।
Discuss the distinctive features of Gandhian Socialism and its contemporary relevance. 15
- (c) संप्रभुता की अवधारणा के सम्बन्ध में कौटिल्य के योगदान की विवेचना कीजिए । क्या यह प्रजातांत्रिक शासन व्यवस्था में प्रयोज्य है ? व्याख्या कीजिए ।
Discuss Kautilya's contribution regarding the concept of sovereignty. Is it applicable in a democratic form of government ? Explain. 15
- Q4.** (a) भारतीय समाज में जाति-भेद से सम्बन्धित डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के विचारों की विवेचना कीजिए । इसके निराकरण के लिए उनके द्वारा सुझाए गए उपाय क्या हैं ? व्याख्या कीजिए ।
Discuss the views of Dr. B.R. Ambedkar regarding caste-discrimination in Indian society. What are the measures suggested by him for its elimination ? Explain. 20
- (b) भारत में महिला भ्रूणहत्या के मुख्य कारण क्या हैं ? क्या यह केवल प्रौद्योगिकी के आसुरी प्रयोग का परिणाम है ? विवेचना कीजिए ।
What are the main causes of female foeticide in India ? Is it the result of demonic application of technology only ? Discuss. 15
- (c) क्या सामाजिक संविदा का सिद्धान्त मानवीय अधिकारों के विभिन्न मुद्दों को पर्याप्त रूप से सम्बोधित करता है ? मूल्यांकन कीजिए ।
Evaluate whether the social contract theory adequately addresses the different issues of human rights. 15

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each :

10×5=50

- (a) न्याय दर्शन द्वारा प्रतिपादित ईश्वर के स्वरूप की विवेचना कीजिए ।
Discuss the nature of God as propounded in Nyāya philosophy. 10
- (b) धार्मिक बहुलवाद के प्रसंग में परम सत्य की संभावना की विवेचना कीजिए ।
Discuss the possibility of Absolute Truth in the context of religious pluralism. 10
- (c) क्या बहुधर्मी समाज में धार्मिक स्वतंत्रता संभव है ? व्याख्या कीजिए ।
Is religious freedom possible in a multireligious society ? Explain. 10
- (d) क्या ईश्वर में विश्वास के बिना धार्मिक जीवन संभव है ? विवेचना कीजिए ।
Is religious life possible without the belief in God ? Discuss. 10
- (e) अशुभ के अस्तित्व के सन्दर्भ में ईश्वर की सर्वशक्तिमत्ता के विरोधाभास की विवेचना कीजिए ।
Discuss the paradox of omnipotence of God in the context of the existence of evil. 10
- Q6. (a) हिन्दू परम्परा के विशेष सन्दर्भ में आत्मा की अमरता की अवधारणा की विवेचना कीजिए ।
Discuss the concept of immortality of soul with special reference to Hindu tradition. 20
- (b) अद्वैत वेदान्त के अनुसार मोक्ष की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए । मोक्ष की प्राप्ति में ज्ञान की भूमिका की व्याख्या कीजिए ।
Elucidate the concept of liberation according to Advaita Vedānta. Explain the role of knowledge in the attainment of liberation. 15
- (c) क्या आप समझते हैं कि धर्म और नैतिकता अविद्योय्य हैं ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए ।
Do you consider that religion and morality are inseparable ? Give reasons for your answer. 15

- Q7.** (a) धर्म में तर्क एवं आस्था की भूमिका की विवेचना कीजिए । क्या तर्क धार्मिक विश्वासों के प्रतिपादन में नियामक तत्त्व हो सकता है ? व्याख्या कीजिए ।

Discuss the role of reason and faith in religion. Can reason be a regulative force in the formulation of religious beliefs ? Explain. 20

- (b) ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए नैतिक तर्क का आलोचनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिए ।

Give a critical account of moral argument to prove the existence of God. 15

- (c) वेदान्ती परम्परा के आलोक में धार्मिक अनुभूति की अवधारणा की व्याख्या कीजिए ।

Explain the concept of religious experience in the light of Vedāntic tradition. 15

- Q8.** (a) धार्मिक भाषा सम्बन्धी असंज्ञानात्मक सिद्धान्त क्या है ? आर.बी. ब्रेथवेट के विचारों के आलोक में आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए ।

What is non-cognitive theory of religious language ? Explain critically in the light of R.B. Braithwaite's views. 20

- (b) हिन्दू धर्म की एक आवश्यक पूर्व-मान्यता के रूप में कर्म के सिद्धान्त की विवेचना एवं मूल्यांकन कीजिए ।

Discuss and evaluate the doctrine of Karma as an essential postulate of Hinduism. 15

- (c) पॉल टिलिच के विशेष सन्दर्भ में धार्मिक भाषा के प्रतीकात्मक स्वरूप की व्याख्या कीजिए ।

Explain the symbolic nature of religious language with special reference to Paul Tillich. 15